>

Title: Regarding repoted ill-treatment to Indian Deputy Consul General in

the United States of America.

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): अध्यक्ष महोदया, अमेरिका में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागडे के साथ जो दुर्व्यवहार किया गया है, हम इसकी निन्दा करते हैं। इस संबंध में हम नेता विपक्ष से यह चाहेंगे कि इस महिला के साथ जो अपमानजनक व्यवहार हुआ है, इसकी निन्दा का प्रस्ताव लाइए, हम लोग निन्दा प्रस्ताव पास करेंगे। भाषण तो बहुत होते रहते हैं, बाहर जाकर बयान भी दे देंगे, क्या फर्क पड़ता है। आप निन्दा का प्रस्ताव कीजिए। यह डरपोक है और आप अमेरिका से डरते हो।...(व्यवधान) हमारे देश को डरपोक बना दिया। उनको गिरफ्तार किया गया और कपड़े उतरवा कर उनकी जांच की गई। इससे हिन्दुस्तान का बहुत बड़ा अपमान हुआ है। ...(व्यवधान) इससे पहले भी हमारी पार्टी के नेता मोहम्मद आज़म ख़ां को वहां मुसलमान के नाम पर रोका गया था। उनको एक घण्टे तक बैठाए रखा गया। ...(व्यवधान) उनकी जांच करायी गयी। कुम्भ के मेले के आयोजन के इंचार्ज होने के कारण उनको खुद अमेरिका ने बुलाया था, यह जानने के लिए कि इतनी भीड़ ने कुम्भ मेले में किस तरह से स्नान किया था।...(व्यवधान) उस मेले के आयोजन के इंचार्ज आज़म ख़ां को निमंत्रण देकर बुलाया गया और वहां बुलाकर उनको अपमानित किया गया। ...(व्यवधान) इसी तरह से भारत सरकार के मंत्री को अपमानित किया गया, आज़म खां जी को अपमानित किया, कलाम साहब को अपमानित किया। क्या अमेरिका की हिन्दुस्तान पर दादागिरी चलेगी? क्या है अमेरिका? अमेरिका बुरी तरह से डरता है। छोटा सा धमाका अमेरिका में कर दिया तो थर-थर कांपते रहते हैं। उस अमेरिका से हिन्दुस्तान इतना डरता है कि हमारे बड़े-बड़े नेताओं का, हमारे देश के राष्ट्रपति का अपमान हो, हमारे मोहम्मद आज़म खां का अपमान हो। जॉर्ज फर्नांडिस का अपमान किया गया। हमारी सरकार के मिनिस्टर श्री प्रफुल्ल पटेल का अपमान किया गया। कोई बचा नहीं है, जिसका अपमान न किया गया हो।...(व्यवधान) इसलिए मैं आज कहना चाहता हूं कि अमेरिका के खिलाफ निंदा का प्रस्ताव लाइए। अमेरिका की दादागिरी कहां है, उसे तो एक नौजवान ने ठीक कर दिया।...(व्यवधान) अरब कंट्रीज से अमेरिका थर-थर कांपता है।...(व्यवधान) लेकिन हिन्दुस्तान का अपमान होता चला जा रहा है।...(व्यवधान) इसलिए अध्यक्ष महोदया मैं कहना चाहता हूं कि हमारी महिला राजनयिक के कपड़े उतरवा कर जो अपमान किया गया है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : मुलायम सिंह जी, अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : यह महिला का अपमान नहीं है, देश का अपमान है।...(व्यवधान) इसलिए यहां निंदा का प्रस्ताव पास कीजिए...(व्यवधान) और हमेशा के लिए अमेरिका को वार्निंग दीजिए, नहीं तो अमेरिका के लोगों को भी नंगा कीजिए, अगर हिम्मत हो तो।...(व्यवधान) अमेरिका हिन्दुस्तान से माफी मांगे।...(व्यवधान) निंदा का प्रस्ताव पास कीजिए और मांग कीजिए कि अमेरिका हिन्दुस्तान से माफी मांगे।...(व्यवधान) इसलिए हमारी आपसे यह अपील है इसे गम्भीरता से लीजिए।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष महोदया, जो विषय भाई मुलायम सिंह यादव जी ने सदन में रखा है, मैं अपनी पार्टी की तरफ से उसमें संबद्ध करने के लिए खड़ी हुई हूं।...(व्यवधान) मुझे लगता है कि यह दलों का विषय नहीं है, बल्कि पूरी की पूरी भारतीय संसद इसमें एक है क्योंकि जो कुछ देवयानी के साथ घटा, वह पहली घटना नहीं है। बहुत-सी शख्सियतों का जिक्र भाई मुलायम सिंह जी ने किया है। ...(व्यवधान) जार्ज फर्नांडिस से जो सिलसिला शुरू हुआ, वह एपीजे अब्दुल कलाम से होते हुए, पहले मीरा शंकर तक पहुंचा था।...(व्यवधान) वे भी वहां हमारी राजदूत थीं। उसके बाद अब यह सिलसिला देवयानी तक पहुंचा है। इसमें सबसे बड़ी बात है, जो वे कहना भूल गए कि वह अपनी बच्ची को छोड़ने स्कूल गई थी और वहां उसे हथकड़ी डालकर गिरफ्तार किया गया।...(व्यवधान) जब हमारे किसी राजनयिक पर इस तरह की घटना घटती है, तो पूरा देश अपमानित होता है। इसलिए जो बातें उन्होंने कही हैं, मैं उन तमाम भावनाओं के साथ स्वयं को संबद्ध करती हूं, लेकिन इसके साथ मैं एक और विषय भी उठाना चाहती हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

डॉ. मिर्ज़ा महबूब बेग,

डॉ. तरुण मंडल और

श्री अर्जुन राम मेघवाल श्री मुलायम सिंह यादव द्वारा उठाए गए मुद्दे से स्वयं को संबद्ध करते हैं।

SHRI L.K. ADVANI (GANDHINAGAR): Madam, this is condemnation of America. ...(*Interruptions*)

श्रीमती सुषमा स्वराज : जो अमरीका में घटा उसके बारे में तो मुलायम सिंह जी ने विस्तार से कहा और मैंने दो वाक्य जोड़ कर अपने आपको उससे संबद्ध किया है। लेकिन हम एक और घटना की अनदेखी कर रहे हैं। हमारे एक नौसैनिक सुनील जेम्स इस समय टोगो की जेल में बंद है। उन पर आरोप है कि वे वहां के जलदस्युओं से मिल गए थे। उनकी मिलीभगत के कारण उन्हें बंद करके रखा गया है। अध्यक्ष महोदया, बहुत दुर्भाग्य की बात है कि यहां उनके 11 महीने के बच्चे की मृत्यु हो गई है और उसके मृत शरीर को उनके घर के लोगों ने रखा हुआ है कि उसका पिता आएगा और उस मृत बच्चे का अंतिम बार मुंह देखे और उसका अंतिम संस्कार

करे। उनके माता-पिता प्रधानमंत्री जी से मिले भी हैं।...(व्यवधान)

मैं आपको याद दिलाना चाहती हूं कि इटली के दो नौसैनिक केरल में हमारे दो मछुआरों को मार करके उनकी हत्या के आरोप में भारतीय जेल में कैदी थे।...(व्यवधान) उन्होंने कहा कि हमें वोट डालने के लिए इटली जाना है।...(व्यवधान) भारतीय अदालतों ने उनके इस अधिकार का सम्मान करते हुए उन्हें इटली भेजने की बात की।...(व्यवधान) लेकिन यह तो बहुत बड़ी मानवीय संवेदना का मामला है।...(व्यवधान) उसका ग्यारह महीने का बच्चा मर गया है और यहां पर उसका मृत शरीर इम्बाम करके रखा गया है कि वह आए, बच्चे का मुंह देखे और उसका अंतिम संस्कार करे।...(व्यवधान)

मैं कहना चाहती हूं भारत सरकार से, हमारे विदेश मंत्री जी यहां बैठे हैं कि टोगो जैसे छोटे देश हमें आंख दिखाते हैं।...(व्यवधान) आप अमेरिका की बात कर रहे हैं, छोटे-छोटे देश हमें आंख दिखाते हैं।...(व्यवधान) भारत इतनी बड़ी पावर है।...(व्यवधान) आप टोगो की सरकार से कहिए कि सुनील जेम्स को तुंत यहां भेजें ताकि वे अपने बच्चे का अंतिम संस्कार करके वापस लौटें। ...(व्यवधान) अगर हमारी भारतीय अदालतें वोट के अधिकार का सम्मान करते हुए इटली के नौसैनिकों को वापस भेज सकती हैं तो वह व्यक्ति जिसका बच्चा मर गया है और यहां उसके परिवार के लोग उसका मृत शव रख कर बैठे हैं, इस बारे में भारत सरकार बात करे और सुनील जेम्स को तुंत वापस लेकर आए।...(व्यवधान)

अमेरिका के खिलाफ़ जो निंदा प्रस्ताव करने की बात है तो भारतीय संसद एक सुर में बोले कि भारत अमेरिका के द्वारा किया गया ऐसा अपमान स्वीकार नहीं करेगा।...(व्यवधान) यह एक सुर से संसद से जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा उठाए गए विषय के साथ

श्री बी.वाई. राघवेन्द्र,

श्री राजेन्द्र अग्रवाल,

श्री देवजी एम. पटेल,

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री शिवराम गौड़डा,

श्री वीरेन्द्र कुमार,

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी,

श्री श्रीपाद येसो नाईक,

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी,

श्री हरिन पाठक,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्री नारनभाई काछडिया,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्री सी.आर.पाटिल, श्री अर्जुन राम मेघवाल, Dr. Tarun Mandal and Dr. Mehboob Beg स्वयं को संबद्ध करते हैं।

श्री संजय निरुपम (मुम्बई उत्तर): महोदया, भारत की एक राजनयिक देवयानी खोबरागड़े के साथ जिस प्रकार का अमानवीय व्यवहार अमेरिकी प्रशासन ने किया है, मैं उसकी निंदा करने के लिए यहां पर खड़ा हुआ हूं।...(व्यवधान) मैं जानता हूं कि हमारी सरकार की तरफ से कड़ा रूख अख्तियार किया गया।...(व्यवधान) हमारे प्रधानमंत्री जी, विदेश मंत्री जी ने अमेरिकी प्रशासन के ऊपर एक दबाव डालने की कोशिश की है।...(व्यवधान) इसके बावजूद अभी तक कोई न्याय नहीं मिला है।...(व्यवधान) मैं चाहूंगा कि उस राजनयिक के साथ जिस प्रकार से कानून के नाम पर अमानवीय तरीके से व्यवहार किया गया है, उसके खिलाफ भारत सरकार सख्त कार्रवाई करे और जितनी जल्दी हो, देवयानी खोबरागड़े के साथ जो अन्याय हुआ, उसका हिसाब करे।...(व्यवधान)

दूसरी बात, सुनील जेम्स के बारे में सुषमा स्वराज जी ने जो अपनी बात रखी है, सुनील जेम्स मेरी कंस्टीट्युन्सी के रहने वाले एक नौजवान कैप्टन हैं।...(व्यवधान) वे जब टोगो में शिप पर थे तो वहां पर जो वहां के समुद्री डाकू होते हैं, उसके बारे में उन्हें जानकारी मिली तो उन्होंने एक अच्छे नागरिक की भूमिका निभाते हुए टोगो के प्रशासन को इसकी जानकारी दी थी।...(व्यवधान) टोगो के प्रशासन की तरफ से उस कैप्टन की तारीफ करने के बजाए उसको पिछले छः महीने से टोगो की सरकार ने गिरफ्तार कर रखा है।...(व्यवधान) जब उसके परिवार के लोगों ने मुझ से संपर्क स्थापित किया तो मैंने स्वयं प्रधानमंत्री जी से बात की।...(व्यवधान) प्रधानमंत्री जी ने उसके परिवार को बुलाया, बैठे, बातचीत की। कानूनी कार्रवाई चल रही है।...(व्यवधान) इसके बावजूद सुनील जेम्स को अभी तक नहीं छोड़ा गया है जबकि उसका ग्यारह महीने के बच्चे का देहांत हुए पन्द्रह दिनों से ज्यादा हो गये हैं। उस बच्चे की बॉडी अभी भी अंधेरी की मॉर्ग में पड़ी है।...(व्यवधान)

मैं माननीय प्रधानमंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि आप स्वयं टोगो के राष्ट्राध्यक्ष से बात करें या विदेश मंत्री महोदय टोगो के विदेश मंत्री से बात करें और जितनी जल्दी हो, सुनील जेम्स को छुड़ाया जा सके।...(व्यवधान)

इसके साथ ही भारतीय नागरिकों के साथ विदेशों में जिस प्रकार से दुर्व्यवहार हो रहा है, उस दुर्व्यवहार के खिलाफ भारत सरकार को सख्त रवैया अख्तियार करना चाहिए ताकि भारत के नागरिकों के साथ दूसरे देशों में किसी प्रकार का अत्याचार न हो, अनाचार न हो।...(व्यवधान)

मैडम, मैं एक और जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे ही क्षेत्र के एक नौजवान हैं जिनकी कतर के एयरपोर्ट पर हत्या कर दी गयी और कतर के अस्पताल में उनकी बॉडी पिछले बीस दिनों से पड़ी है।...(व्यवधान) बार-बार उनके परिवार के लोग कह रहे हैं कि जिस एयरपोर्ट पर उनकी हत्या हुई है, कम से कम वहां का सीसीटीवी फुटेज दीजिए क्योंकि उनको ऐसा अंदाज है कि उनकी मृत्यु हार्ट अटैक से नहीं, बल्कि उनकी हत्या की गयी है।...(व्यवधान) वहां की सरकार सीसीटीवी की फुटेज नहीं दे रही है।...(व्यवधान) वहां की सरकार से हमारी सरकार को बात करनी चाहिए ताकि भारतीय नागरिकों के साथ हमेशा जो दुर्व्यवहार होता है, वह दुर्व्यवहार खत्म हो और भारत सरकार को विदेशी सरकारों के साथ सख्त ढंग से बात करनी चाहिए ताकि हमारे नागरिकों को राहत मिले, उनको न्याय मिले।...(व्यवधान)

महोदया, आपने देवयानी खोबरागड़े के लिए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने से जो मना किया, उसके लिए मैं आपको बधाई दूंगा।...(व्यवधान) मैं आदरणीय राहुल गांधी जी को बधाई दूंगा कि उन्होंने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मिलने से मना किया।...(व्यवधान) हमारे गृह मंत्री जी ने मिलने से मना किया।...(व्यवधान) भारत को सॉफ्ट स्टेट की नहीं, बल्कि एक हार्ड स्टेट की भूमिका में खड़ा रहना पड़ेगा ताकि हम अपने नागरिकों की हिफाज़त कर सकें।

अध्यक्ष महोदया :

श्री संजय निरुपम द्वारा उठाए गए विषय के साथ श्री एस.एस. रामासुब्बू स्वयं को संबद्ध करते हैं।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I rise to condemn the action of the US Government in arresting a 39-year old young diplomat, the Consul General in New York. The American Authorities on a matter of contractual employment with her staff, hand-cuffed the young diplomat. Then, they strip-searched her and then they put her along with drug addicts and other criminals. This is not an insult to Devyani alone, this is an insult to Indian womanhood and to all Indians. We condemn it with all the force at our command and we want the House to pass a Resolution condemning the same. I am happy that the Indian Government has taken retaliatory action by removing the barricades in front of the US Embassy at Chanakyapuri, asking for identity cards of all US diplomats based in Delhi, and asking for the employment details of all Indians employed by US diplomats.

I also appreciate your action Madam, in refusing to meet a US Congressional Delegation. I also appreciate the Home Minister for refusing to meet a US Congressional Delegation. But we must remember that this is not the first time the

Americans have insulted eminent Indians, and here, in this case, a lady diplomat. Starting from George Fernandes to our popular actor Salman Khan, Shah Rukh Khan and Amir Khan, Americans have repeatedly insulted Indians going to the US. We must show that we are one in condemning this US attitude. The United States is not the big brother in the world, and India as a nation state must stand up. I also support the point raised by the Leader of the Opposition regarding the detention of Indian sailor Sunil James at Togo. Just some two bit Banana Republic dares to do this to India! It should not happen. India must stand up as a whole to condemn both the actions against an Indian diplomat in New York as well as to get Sunil James released from custody at Togo. ...(*Interruptions*)

SHRIMATI SUPRIYA SULE (BARAMATI): Madam, I stand in defense of and associate myself with all my colleagues who have stood up with Devyani Khobragade who we all relate to. I appreciate the efforts that the Government has made. I think it is really a historic day for India. In the last couple of months I am really tired of reading how everything that goes wrong is thanks to the political class, and everything good that happens is outside the House. But today, by passing the Lokpal Bill unanimously and by standing by Devyani Khobragade, as Indians, I think the entire political fraternity of India proved it to the nation that we are committed to the cause of India and the progress of India. Thank you very much....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: शरद जी, कृपया बहुत संक्षेप में बोलिए।

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष महोदया, भाई मुलायम सिंह जी, सुषमा स्वराज जी और सारे सदन के माननीय सदस्यों ने जो बात कही है, मैं इन सारे माननीय सदस्यों के साथ अपनी भावना सम्बद्ध करता हूं।

मैं भारत सरकार से एक बात पूछना चाहता हूं, यह एक घटना नहीं है, आपके पूर्व राष्ट्रपति, डिफेंस मिनिस्टर, जार्ज फर्नांडीज़, प्रफुल पटेल, पी. शंकर, सारे लोगों के साथ ये निरंतर हो रहा है। ...(व्यवधान) इस समस्या का विदेश मंत्री जी ठीक से जवाब दें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: ठीक है, अब आप समाप्त करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री शरद यादव : यह जवाब नहीं है कि आप अमेरिकन एम्बेसी के सामने ...(व्यवधान) बैरीकेड हटा रहे हैं।...(व्यवधान) आप जो बैरीकेड हटा रहे हैं, यह एक तरह से आपकी कमजोरी को दिखाता है।...(व्यवधान)

DR. M. THAMBIDURAI (KARUR): I also join with our colleagues in condemning the US authorities for arresting and ill-treating our Indian Diplomat in USA, Ms. Devyani Khobragade. ...(*Interruptions*)

श्री शरद यादव : लेकिन असली बात यह है कि अमेरिकी सरकार से आप, इतने समय से निरन्तर इस देश के लोगों के साथ जो व्यवहार हो रहा है, उसके बारे में आपकी क्या नीति है...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please conclude.

...(*Interruptions*)

DR. M. THAMBIDURAI : This is not a new thing that is happening in USA. When former President of India Dr. A.P.J. Abdul Kalam went to USA, he was also treated the same way. ...(*Interruptions*) We have to condemn and see that the Indian Government take action. Whatever steps the Central Government has taken, are not enough. We have to be very serious and see that action must be taken against the US authorities. ...(*Interruptions*) We have to re-think about our relationship. Therefore, I strongly condemn on behalf of our AIDMK Party the US authorities for humiliating our Indian diplomat. ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: शरद जी, आप कृपया बैठ जाइये। आपकी बात हो गई।

श्री शरद यादव : आप निन्दा करिये। यहां से सदन से निन्दा का प्रस्ताव पास करिये। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: वे बोल रहे हैं, यह क्या हो रहा है, आप किससे बात कर रहे हैं? आप अपनी बात समाप्त करिये। आप बैठ जाइये। श्री दारा सिंह चौहान।

श्री दारा सिंह चौहान (घोसी): महोदया, जिस तरीके से अमेरिका में एक महिला राजनयिक के साथ दुर्व्यवहार हुआ है, जो अमेरिका के लोगों ने वहां के प्रशासन के द्वारा किया है, उसकी निन्दा इससे पहले राज्य सभा में हो चुकी है। ...(व्यवधान) यह केवल एक राजनयिक का सवाल नहीं है, यह तो बड़ी अच्छी तरह से पेपर में आ गया है, हमारे हिन्दुस्तान और खास करके उत्तर के तमाम जो गरीब लोग हैं, चाहे हिन्दू हों, मुसलमान हों, जो गल्फ कंट्रीज़ में जाते हैं या दूसरे छोटे-छोटे मुल्कों में जाते हैं, जिस तरीके से उनके साथ अन्याय, अत्याचार और अमानवीय व्यवहार होता है, उसकी भी हम निन्दा करते है।...(व्यवधान) इसीलिए राज्य सभा में हमारी नेता बहन कुमारी मायावती ने पूरी विदेश नीति की समीक्षा की बात कही है कि जिस तरीके से गरीबों के साथ अन्याय हो रहा है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आपकी बात समाप्त हो गई। श्री नामा नागेश्वर राव।

â€¦(व्यवधान)

श्री दारा सिंह चौहान : आज तो महिला के साथ आंसू बहाते हैं और जिस महिला के साथ, राजनयिक के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार हो रहा है, भारत सरकार को अमेरिका के साथ इतना ही नहीं, उसका मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए।

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): Madam, I thank you very much for giving me this opportunity today. We are, as a nation, very worried the way the American Government has treated one of our Deputy Counsel-General.

अध्यक्ष महोदया: आप समाप्त करिये। श्री नामा नागेश्वर राव।

श्री दारा सिंह चौहान : हम इस हाउस में आज पूरे सदन की तरफ से यह कहना चाहते हैं। धन्यवाद।...(व्यवधान)

SHRI TATHAGATA SATPATHY : It is not a matter of concern whether it is a lady or not. But a nation that has been trying to befriend the US over a long period of time has been constantly and on a regular basis being offended and humiliated by their Government. During the NDA Government, the then Defence Minister was stripped naked and made to walk to be checked as to what he had been carrying. Similarly, even during the UPA-I and UPA-II, this has happened. ...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया: श्री नामा नागेश्वर राव जी, आप बोलिये।

श्री नामा नागेश्वर राव (खम्मम): मैडम, देवयानी जी को, भारत देश को जिस तरीके से अमेरिका ने अपमानित किया है, उसको इस गवर्नमेंट को बहुत सीरियसली लेना पड़ेगा, क्योंकि, यह एक दफा नहीं हुआ है। पहले भी श्री अब्दुल कलाम से लेकर प्रफुल्ल पटेल जी से लेकर बहुत से लोगों को जिस तरह से अपमानित किया है, उसकी हम लोग निन्दा करते हैं। हम लोग विदेशियों को बहुत रैस्पैक्ट देते हैं, अमेरिकन्स को देते हैं, इटेलियंस को देते हैं, इटली वालों ने भारत देश में आकर दो मछुआरों का मर्डर किया, उनको वोट डालने के लिए हमने छूट दी है, हम इटली वालों को छोड़ देते हैं, मगर सुनील जैन का जो बच्चा है, जिसकी डैथ हुई है, उस बच्चे को देखने के लिए उसको लेकर नहीं आ रहे हैं, उसको बहुत तकलीफ है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: आप बोलिये। बस, हो गया।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया: अभी तो आप अपनी भावना व्यक्त करिये। आपकी बात हो गई, आप बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

SHRI T.K.S. ELANGOVAN (CHENNAI NORTH): I associate myself with the sentiments expressed by the various political leaders about the Government of America's action against our diplomat Ms. Devyani Khobragade. This has been happening time and again. Sometimes we have seen the High Commissioner from another country who is working in India criticizing our leaders. The Sri Lankan High Commissioner who is working in India has criticized our political leaders. Such activities should be immediately stopped. I thank the hon. Speaker for not giving an appointment to the US Congress Members. ...(*Interruptions)*

श्री अनंत गंगाराम गीते (रायगढ़): अध्यक्षा जी, राजनयिक अधिकारी श्रीमती खोबरागड़े के साथ अमेरिका ने जो दुर्व्यवहार किया है, उस दुर्व्यवहार की हम निंदा करते हैं। ...(व्यवधान) शिव सेना की ओर से इसकी कड़ी निन्दा करते हैं। ...(व्यवधान) जो भारतीय डिप्लोमैट्स जाते हैं, उनके साथ भी लगातार दुर्व्यवहार किया जाता है। ...(व्यवधान) हमारे जो मंत्री जाते हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। ...(व्यवधान) मैं मांग करता हूं कि भारत सरकार इस संदर्भ में कड़ा से कड़ा

और सख्त से सख्त कदम उठाए।

अध्यक्ष महोदया : असादुद्दीन ओवेसी जी, खड़े होइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप नहीं बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री ए.सम्पत।

â€¦(व्यवधान)

SHRI A. SAMPATH (ATTINGAL): Madam Speaker, on behalf of my party CPI(M) I strongly condemn the action taken by the US officials against a diplomat, especially a lady diplomat from India. This is not the first time that we are discussing such situations in this august House. ...(*Interruptions*)

Madam Speaker, as you also know, the former President of Indian Union was ill-treated in the US. Mr. Shahrukh Khan, the famous film star, was ill-treated in the US. Mr. Kamal Hasan, the famous cine star, was ill-treated in the US. ...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Thank you. Please take your seat now. We do not have so much time. You know what is happening in the House.

...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SALMAN KHURSHEED): Madam, I rise with a heavy heart and yet with the confidence that this House today ...(*Interruptions*) हमारे सम्मानित सदस्यों ने आग्रह किया है, यह एक भावनात्मक विषय है, भारत के सम्मान का एक विषय है और हम सबकी भावना को ठेस लगी है। ...(व्यवधान) भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक नौजवान महिला, एक वह व्यक्ति जिसको हम बड़े सम्मान से पूरे विश्व के सामने प्रस्तुत करते हैं कि भारत का संदेश ये लोग, हमारे अधिकारीगण वहां तक पहुंचायेंगे, उसके सम्मान में गुस्ताखी हुयी है। ...(व्यवधान) उसके सम्मान पर यह प्रश्नचिन्ह लगाने की किसी ने कोशिश की है, हम इसकी निन्दा करते हैं, घोर निन्दा करते हैं। ...(व्यवधान) हम यह जानते हैं कि इस विषय पर हमारा पूरा देश एक ध्वनि और एक भावना के साथ और यह पूरा सदन एक भावना के साथ अपनी बात कह रहा है। ...(व्यवधान)

मेरे दिल में यह दर्द है कि जब हम ऐसे संवेदनशील समय पर खड़े होकर एक ध्वनि में अपनी बात कहना चाहते हैं, हमारे कुछ सम्मानित साथी इस बात को सुन नहीं पा रहे हैं और दूसरों को कहने में यह बाधा डाल रहे हैं। ...(व्यवधान) मैं इनसे अपील करता हूं, निवेदन करता हूं कि कम से कम आज के इस समय पर और इस घटनाक्रम के बाद एक ध्वनि में हम सब लोगों को बोलने दें। ...(व्यवधान)

मैडम, मैं यह बताना चाहता हूं, इस घटना के संबंध में यह मैं कह सकता हूं कि जो हमारी समझ है, जो कार्रवाई हमारे अधिकारी के साथ की गयी, उस कार्रवाई की आवश्यकता इसलिए नहीं थी कि उसने कोई गलत काम नहीं किया। ...(व्यवधान) वह निर्दोष है। ...(व्यवधान) बल्कि अगर कुछ किया तो यह किया कि गलत काम करने से इन्कार किया। ...(व्यवधान) उससे यह कहा गया और यह दुख का विषय है कि कुछ लोग, हमारे ही पासपोर्ट के लोग जो यह जाकर कहते हैं कि हम आपके यहां काम करना चाहते हैं और वह फिर षडयत्र रचाकर दूसरे लोगों के साथ मिलकर अपमानित करना चाहते हैं, उन्होंने यह चाहा कि दबाव डालकर किसी तरह से वह यह हस्ताक्षर करवा लें और यह सहमति ले लें कि उनको कहीं और काम करने का भी अधिकार है। ...(व्यवधान) जब इस पर कार्रवाई करने के लिए हमने वहां के अधिकारियों से कहा तो इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुयी। ...(व्यवधान) हमने परामर्श दिया कि यहां पर हाईकोर्ट में कार्रवाई के लिए आप याचिका पेश करें। ...(व्यवधान) हमने यह भी कहा कि पुलिस के सामने आप याचिका पेश करें। ...(व्यवधान) यहां से मजिस्ट्रेट ने अरेस्ट वारंट उन लोगों के लिए दिया जो यह षडयत्र कर रहे थे। ...(व्यवधान) वह अरेस्ट वारंट हमने यूनाइटेड स्टेट्स की सरकार को प्रस्तुत किया। ...(व्यवधान) जो हमारा उनको प्रस्तुत करने का उचित तरीका है, उस तरह से किया। ...(व्यवधान) इसके बावजूद उसको न पकड़कर, उसको हिरासत में न लेकर हमारे अधिकारी को हिरासत में लिया। ...(व्यवधान) उसके बाद उन पर क्या-क्या गुजरा है, मैं समझता हूं कि वह दोहराने की आवश्यकता नहीं है। ...(व्यवधान) उसी का हमें विशेष खेद है, उसी की हमें पीड़ा है और उसी का हमें दर्द है। ...(व्यवधान) मैं यह बताना चाहता हूं कि सतर्कता के साथ उसके सहयोग में जुलाई से लेकर अब तक हमें जो करना था, वह हम करते रहे। ...(व्यवधान) अब जो घटना घटी है, हम यह मानते हैं कि सबसे पहले हमारा प्रयत्न और हमारा दायित्व बनता है कि हम उसको उस स्थिति से बाहर निकालें, उसको सुरक्षित करें और उसके बाद हमको जो विस्तार से चर्चा यूनाइटेड स्टेट्स सरकार के साथ करनी है, हम वह चर्चा करेंगे। ...(व्यवधान)

लेकिन, मैं जानता हूं कि अभी हमारे सारे सदस्यगण अपनी-अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं। मैं बताना चाहता हूं कि हमने 13 तारीख को कुछ कार्रवाई शुरु की है। हमने अमेरिका के राजदूत को मिनिस्ट्री में बुला कर ...(व्यवधान) अगर आप ऐसा कहेंगे तो मुझे लगेगा कि आप इस मामले को ले कर संवेदनशील नहीं हैं। हम लोगों ने क्या-क्या किया है, उसे सुन लीजिए। ...(व्यवधान) हमने तत्काल कार्रवाई शुरु की है। ...(व्यवधान) उस तत्काल कार्रवाई में प्रोटोकॉल डिपार्टमेंट ने स्टेट के सभी डिपार्टमेंट्स को यह कहा है कि काउंसलर आईडेन्टिटी कार्ड मुंबई, चेन्नैई, हैदराबाद और कोलकाता में विथड्रॉ कर लिए जाएं। ...(व्यवधान) हम उन पर पुनर्विचार करेंगे और जब तक उन पर पुनर्विचार नहीं होता है, वे काउंसलर कार्ड उनको उपलब्ध नहीं होंगे। ...(व्यवधान) हमने यह भी कह दिया है कि भारत के एयरपोर्ट्स में जो पासेज काउंसलर स्टाफ को दिए जाते हैं, वे प्रोटोकॉल तत्काल 19 दिसम्बर तक विथड्रॉ कर लें, ताकि हमने जो उनको सुविधाएं दी हैं। ...(व्यवधान) जो सुविधाएं हमने उनको उदारता से दी थीं, हम समझते हैं कि वे सुविधाएं अब उनको लेने का अधिकार नहीं है। ...(व्यवधान) स्टेट प्रोटोकॉल को हमने यह भी कहा है कि अमेरिकी काउंसलेट्स में हमारे देश के जो लोग काम कर रहे हैं। ...(व्यवधान) उनके किसी कार्यालय में काम कर रहे हैं, उनकी पूरी सूची हमें 23 दिसम्बर तक दी जाए। ...(व्यवधान) उसके साथ-साथ हमें सूची में यह बताया जाए कि वह क्या कार्य करते हैं? ...(व्यवधान) उनका क्या दायित्व है? उनको कितनी तनख्वाह मिलती है और किस एकाउंट में वह तनख्वाह जमा की जाती है। ...(व्यवधान) इनके बारे में हमें तत्काल बताएं। ...(व्यवधान) इनके साथ हमने यह भी निर्णय लिया है कि अब कहीं स्टेट प्रोटोकॉल के सामने अगर कोई याचिका आती है या कोई निवेदन आता है कि वह किसी एप्लिकैशन के माध्यम से कोई क्लीयरैंस या अप्रूवल दें, जिसका संबंध आई.डी. कार्ड से हो। ...(व्यवधान) कोई पर्सनल इफैक्ट्स, जो वे लोग बाहर से मंगाते हैं, उससे संबंध हो या किसी चार पहिए गाड़ी या अन्य गाड़ी के खरीदने या बेचने का प्रश्न हो। ...(व्यवधान) कोई एग्जैम्पशन सर्टीफिकैट ड्यूटी पर हो। ...(व्यवधान) इम्पोर्ट फ्री लीकर के लिए हो। ...(व्यवधान) वे कोई खाने का सामान मंगाते हैं। ...(व्यवधान) इन पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। ...(व्यवधान) इनके अलावा हमने कुछ कदम उठाए हैं। ...(व्यवधान) अगर आज सदस्य मुझे इजाजत दें। ...(व्यवधान) हम कार्रवाई कर रहे हैं। ...(व्यवधान) हम ने तत्काल कदम उठाए हैं। ...(व्यवधान) ताकि, हम पूरी सुरक्षा दे सकें।...(व्यवधान) हम उस अधिकारी को पूरी सुरक्षा दे सकें।...(व्यवधान) यह कानून का विषय है। ...(व्यवधान) अमेरिका का कानून क्या है?...(व्यवधान) हमारा कानून क्या है?...(व्यवधान) इन दोनों में टकराव हो सकता है। ...(व्यवधान) लेकिन, इसमें हम जो कुछ भी समझते हैं। ...(व्यवधान) आज मानवता का तकाज़ा है।...(व्यवधान) आज हमारे सम्मान का तकाज़ा है।...(व्यवधान) आज हम और आप सब की सामूहिक भावना का तकाज़ा है।...(व्यवधान) हमारे देश का तकाज़ा है कि आज हम देश के सम्मान को सुरक्षित रखने के लिए, उस व्यक्ति को जो आज सांकेतिक स्थान पर है, जिसको अत्यंत पीड़ा हुई है।...(व्यवधान) जिसकी पीड़ा में हम शामिल हैं। ...(व्यवधान) उसको हम सुरक्षित करें। ...(व्यवधान) उसके बाद जो उचित कार्रवाई की आवश्यकता है वह उचित कार्रवाई हम करेंगे। ...(व्यवधान)

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Hon. Members, please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: We are going to stand up for National Song.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : कृपया अपनी जगह पर जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Please go back to your seats.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: We cannot play, unless you go back to your seats.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप सभी अपने-अपने स्थान पर जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप राष्ट्रीय गीत के लिए शांत हो जाइए।

â€¦(व्यवधान)

13.19 hrs

At this stage, Shri L. Rajagopal, Shri M. Venugopala Reddy

and some other hon. Members went back to their seats.

...(*Interruptions*)

13.20 hrs

National Song

The National Song was played.

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned *sine die.*

13.21 hrs

The Lok Sabha then adjourned sine die.

---

* The Bill was passed by Lok Sabha on the 27th Dec., 2011 and transmitted to Rajya Sabha for its concurrence. Rajaya Sabha passed the Bill with amendments at its sitting held on the 17th Dec., 2013 and

returned it to Lok Sabha on the same day.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* English translation of the speech originally laid on the Table in Bengali..

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.

* Speech was laid on the Table.